अम्मवारि पाट (षोडशोपचारमुलतो)

श्रीमाता श्रीललिता श्री चक्रराजनिलया
मातल्ली मंगळांगि मानस पूजलु गॊनुमा!

||च|| अखिललोक रक्षकी आवाहनमिदे नीकु
शरणागत रक्षकि सिंहासनमिदो नीकु

||च|| पातक संहरिणी पाद्यमिदो पादमुलकु
अमरसेवित त्रिपुर सुंदरि अर्घ्यमिदो हस्तमुलकु

||च|| आदिलक्ष्मी कामेश्वरि आचमनंबिदो नीकु
महेश्वरि महादेवि मधुपर्कंबिदो नीकु

||च|| सर्वेश्वरि सिद्देश्वरि स्नानमुनकु जलमुलिविगो
विश्वेश्वरि विशालाक्षि वस्त्रयुग्मंबिदो नीकु

||च|| यतिमुनींद्र देव पालिनि यज्ञोपवीतंबिदो नीकु
चंद्रशेखर अर्धांगि चंदनंबिदो नीकु

||च|| परमेश्वरि पार्वतीदेवि पुष्पमालिकलिविगो नीकु
अतिदयापरि अन्नपूर्ण अगरु धूपं बिदो नीकु

||च|| श्रीराजराजेश्वरी श्रीमात गायत्री
सुमंगळि सुवासिनि पसुपु कुंकुमलंदुकॊम्म

||च|| करुणाकरि कल्याणि कर्पूरदीपंबिदो नीकु
नारायणि नादरूपिणि नैवेद्यंबिदो नीकु

||च|| दाक्षायणि दैत्यहंत्रि तांबूलंबिदो नीकु
नीरजाक्षि कामाक्षी नीराजनमिदो नीकु

||च|| मारकोटि सुंदरांगि मंत्रपुष्पं बिदो नीकु
आदिलक्ष्मी अम्म नीकु आत्मप्रदक्षिणमिदिगो नीकु